पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 1.03.2014 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आर्य समाज, विशाखा एनक्लेव, दिल्ली में
पं.लेखराम बलिदान दिवस पर
यज्ञ व संगीत संध्या
रविवार, 9 मार्च 2014
सायं 4 से 7 बजे तक
आप सपरिवार आमन्त्रित हैं
-रणसिंह राणा, प्रधान

वर्ष-30 अंक-19 फाल्गुन-2070 दयानन्दाब्द 190 1 मार्च से 15 मार्च 2014 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 1.03.2014, E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 190 वां महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव सौल्लास सम्पन्न

हिन्दू समाज के सजक प्रहरी थे महर्षि दयानन्द-डा.विजय कुमार मल्होत्रा

पूर्व सांसद डा. विजय कुमार मल्होत्रा का स्वागत करते स्वामी दिव्यानन्द जी, डा.अनिल आर्य व श्री मायाप्रकाश त्यागी, द्वितीय चित्र में आचार्य वेदप्रकाश श्रोत्रिय का स्वागत करते डा.अनिल आर्य, श्री प्रदीप तायल, श्री ब्रह्मप्रकाश मान व श्री ओम सपरा।

नई दिल्ली । सोमवार, 24 फरवरी 2014, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्,नई दिल्ली के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी,महान समाज सुधारक,युग प्रवर्तक,आर्य समाज के संस्थापक ''महर्षि दयानन्द सरस्वती का 190 वां जन्म दिवस'' हिन्दी भवन, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली में सौल्लास मनाया गया। समारोह में दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों से सैंकड़ों आर्य जनों ने सम्मिलित होकर महर्षि दयानन्द को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये व उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि डा.विजय कुमार मल्होत्रा (पूर्व सांसद व पूर्व नेता प्रतिपक्ष,दिल्ली विधान सभा) ने कहा कि स्वामी दयानन्द महान क्रांतिकारी थे, उन्होंने आजादी के आन्दोलन में महती भूमिका निभायी उनसे प्रेरणा पाकर असंख्य नौजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। उनके समाज उत्थान में योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता चाहे नारी शिक्षा, विधवा विवाह, बाल विवाह, पाखण्ड-अन्धविश्वास के विरूद्ध शंखनाद हो हर क्षेत्र में उनकी छाप दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि क्रान्ति केवल हथियारों से नहीं होती अपितु वैचारिक व सामाजिक क्रान्ति भी होती है स्वामी दयानन्द ने अपने अमर ग्रन्थ ''सत्यार्थ प्रकाश'' से पूरे समाज में आमूल चूल परिवर्तन किये तथा विश्व को एक नयी दिशा प्रदान की। वह हिन्दु समाज के सजक प्रहरी थे । उन्होंने हिन्दुओं की घटती जनसंख्या पर चिन्ता व्यक्त की।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में आर्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही लेकिन आज ''भगवा हिन्दु आंतकवाद'' का ही शोर मचा कर पूरे राष्ट्र को गुमराह करने का कुचक्र किया जा रहा है, जिस पर सावधान रहने की आवश्यकता है, भगवा तो जीवन के पूरे पक जाने के बाद त्याग ओर बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्र के सामने आंतकवाद,प्रान्तवाद,जातिवाद,भ्रष्टाचार,कन्या भ्रूण हत्या की चुनौतियां समाज के सामने हैं जिसके विरूद्ध संघर्ष का शंखनाद आर्य जनों को करना है।

समाजसेवी श्री महेश गिरी ने कहा कि सांस्कृतिक आक्रमण तोप व तलवार से अधिक खतरनाक होता है, आज युवा पीढ़ी को अपने सही गौरवशाली इतिहास, अपने महापुरूषों, शहीदों के बलिदान के बारे मे बताने की आवश्यकता है जिससे वह उन पर गर्व करना सीख सकें। समारोह का उद्घाटन गुरूकुल खेड़ाखुर्द के प्रधान श्री ब्रह्मप्रकाश मान ने 'ओ३म्'' ध्वज फहरा कर किया। इस अवसर पर आर्य श्रेष्ठी- सर्वश्री मदनलाल तनेजा, ओम सपरा, रामानन्द आर्य,रामचन्द कपूर, ओमप्रकाश घई, दीपक सेठिया, सुशील

(शेष पृष्ठ 2 पर)

समाजसेवी श्री महेश गिरी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, स्वामी दिव्यानन्द जी, दायें चित्र में कार्य दिवस होने के बावजूद भारी संख्या में पहुंचे आर्य जन।

बोधोत्सव के मायने

– नरेन्द्र आहुजा 'विवेक'

हम सभी के दैनिक जीवन में हमारे आस–पास ना जाने कितनी घटनायें रोजाना होती हैं जिनके पीछे हमारे लिए कुछ ना कुछ संदेश वा प्रेरणा छिपी होती है लेकिन हम सभी अपनी भौतिकतावादी पाश्चात्य अंधानुकरण की भोगवाद की जीवन शैली में डूबकर इतने संवेदनशून्य हो चुके हैं कि अपने आस–पास की संदेश वा प्रेरणा देती इन घटनाओं से कोई शिक्षा ग्रहण नहीं करते । हम इस तथाकथित विकास की चकाचौंध में सम्मोहित संवेदन शून्यता की हद तक संवेदनहीन हो चुके हैं कि हम भेड़ों के झुंड की भांति विकास के नाम पर विनाश के अंधे कुएँ में गिरकर अपने विनाश की ओर अग्रसर हैं। सम्मोहन की यह स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि हम पाश्चात्य अंधानुकरण करते हुए भोगवाद में फंसकर अपनी पुरातन सनातन वैदिक संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। हमें इतना भी बोध नहीं रहा कि कितना भी बड़ा वट वृक्ष क्यों ना हो यदि वह अपनी जड़ों से कट जाता है तो अंततः सूखकर ठूंठ बन कर गिर पड़ता है।

शिवरात्रि का पावन पर्व हम आर्यों के लिए ऋषि बोधोत्सव का पर्व है। वेदों के पुनः उद्धारक ईश्वर के सच्चे स्वरूप के दर्शन करवाने वाले क्रान्तदर्शी महर्षि देव दयानन्द के अत्यंत प्रखर मेधा बुद्धि युक्त संवेदनशील मन ने छोटी सी घटना से कितना बड़ा संदेश बोध प्राप्त कर लिया और उस समय का बालक मूलशंकर सच्चे शिव की खोज में लग गया और अंततः ईश्वर के सत्य स्वरूप को हम सभी के लिए उपलब्ध करवा दिया। शिवरात्रि की घटना जब मूषक शिवलिंग पर चढ़कर मल मूत्र विसर्जित करते हुए प्रसाद खाने लगते हैं कोई ऐसी घटना नहीं थी जो पहले ना हुई हो या अब ना होती हो। इसमें कोई नई बात थी तो सच्चे शिव के दर्शन की तीव्र उत्कंठा लिए प्रखर बुद्धि युक्त संवेदनशील बालक मूलशंकर का इस घटना को देखकर बोध पा लेना कि यह जड़ पत्थर से बना शिवलिंग कदापि इस सृष्टि का निर्माता पालक संहारक ईश्वर शिव नहीं हो सकता जो इन मूषकों से अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा। बस इसी बोध ने बालक मूलशंकर की उस कल्याणकारी सच्चे शिव की खोज की उस यात्रा को प्रारम्भ कर दिया।

शिवरात्रि के पुनीत पर्व पर घटी यह घटना ही बालक मूलशंकर को वैदिक संस्कृति प्रचारक, वेदों के पुनः उद्धारक, ईश्वर के सत्यस्वरूप के ज्ञाता, पाखंडों अंधविश्वासों के निर्मूलक, महान समाज–सुधारक, युग प्रवर्तक, आर्य समाज के संस्थापक, क्रान्तदर्शी महर्षि देव दयानन्द के रूप में परिवर्तित कर गई। इसीलिए आर्य जगत में हम सभी आर्यजन शिवरात्रि के पर्व को 'बोधोत्सव' के रूप में मनाते हैं।

परन्तु प्रश्न उत्पन्न होता है क्या हम सभी 'ऋषि बोधोत्सव' के पर्व को सही मायनों में मना रहे हैं। किसी भी पर्व को मनाने का सही अभिप्राय यह है कि हम उस पर्व के संदेश को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प लें। एक सामान्य सा वाहन चालक भी अपने आगे चल रही गाड़ी की स्थिति को देखकर अपने वाहन की दिश को सही मार्ग पर ले आता है और किसी भी संभावित दुर्घटना से वाहन के साथ ही अपनी व अन्य सवारियों की रक्षा करता है। परन्तु हम सभी कितने अबोध है कि मनुष्य जैसे अनमोल तन को वाहन के रूप में पाकर भी भोगवाद की चकाचौंध के सम्मोहन में मानव जीवन के लक्ष्य से भटककर अपने विनाश की ओर बड़ी तीव्र गति से दौड़ रहे हैं। हम आर्यों के पथ प्रदर्शक देव दयानन्द ने हमें ईश्वर के सच्चे स्वरूप के विषय में बड़े विस्तार के साथ आर्य समाज के दूसरे नियम में ही बतला दिया। परन्तु हमारी स्थिति तो आज भी उसी शिवरात्रि पर सो रहे अन्य लोगों जैसी ही है। बालक मूलशंकर शिव के साक्षात्कार की तीव्र उत्कंठा लिए इस बोध रात्रि के समय जागृत अवस्था में था। हम तो उस समय सो रहे लोगों से अधिक दुर्भाग्यशाली हैं जो ऋषि के दिखाये वेद मार्ग ईश्वर के स्वरूप को जानते हुए भी उस पर नहीं चल पा रहे।

हम आर्य जन स्वयं को देव दयानन्द के दयानन्दी परिवार का सदस्य और स्वयं को आर्य अर्थात श्रेष्ठ होने का दंभ भरते हैं तो क्या हमने देव दयानन्द के दिखाए वेद मार्ग पर चलते हुए आर्य सिद्धांतों को जीवन में अपनाया तथा दूसरों को भी उस वैदिक आर्ष पथ पर चलने की प्रेरणा दी। क्या आज भी हम समाज को उन पाखंडों अंधविश्वासों से मुक्ति दिलवा पाये जिनके विरुद्ध संघर्ष करते हुए महर्षि देव दयानन्द ने अपने जीवन काल में अनेकों बार विष पिया और अंततः अपना आत्म बलिदान कर दिया। क्या आज भी समाज को हम जड़ पूजा से मुक्त करवा पाये। महर्षि देव दयानन्द ने जिस स्वतंत्रता संग्राम की शास्त्र को हाथ में लेकर प्रेरणा दी थी और उनकी प्रेरणा से क्रान्तिकारियों की गीता के नाम से प्रसिद्ध अमर ग्रन्थ 'सत्यार्थ प्रकाश' को पढ़कर ना जाने कितने शहीदों ने स्वाधीनता के यज्ञ में अपना सर्वस्व प्राणों की आहुति प्रदान कर दी थी। जिसके लिए इतिहास में स्वर्णाक्षरों में स्वीकार किया गया कि देश की आजादी में अस्सी प्रतिशत स्वतंत्रता सेनानी महर्षि देव दयानन्द की विचारधारा के अनुयायी थे। परन्तु क्या आज हम उस स्वतंत्रता की रक्षा करने में स्वयं को सक्षम पा रहे हैं या काठ की हांडी फिर से गुलामी की आंच पर चढ़ने को तैयार है ?

ऋषि बोधोत्सव पर हम सभी को बोध लेना होगा और देव दयानन्द द्वारा दिखाए गए आर्य सिद्धांतों के वेद मार्ग पर ना केवल स्वयं चलकर अपितु समाज को भी उसकी प्रेरणा देकर 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम' के स्वप्न को साकार करना होगा। पाश्चात्य संस्कृति के भोग मार्ग की चकाचौंध के सम्मोहन से स्वयं को एवं समाज को मुक्त करवा कर पुरातन सनातन आर्य संस्कृति के योग मार्ग पर चलना होगा तभी हम सही मायनों में 'ऋषि बोधोत्सव' को मनाने के अधिकारी हो सकते हैं।

–502 जी एच 27, सैक्टर 20 पंचकूला, 09467608686 01724001895

प्रकाशनादि का विवरण फार्म–4

1. प्रकाशन स्थान	:	आर्यसमाज, टी–176–177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली–7
2. प्रकाशन अवधि	:	पाक्षिक
3. मुद्रक व प्रकाशक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी–176–177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली–7
4. सम्पादक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी–176–177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली–7
5. उन व्यक्तियों के नाम, पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत के हिस्सेदार हों।	:	केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजी.), दिल्ली

मैं अनिल कुमार आर्य एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 28-2-2014 **अनिल कुमार आर्य,** प्रकाशक

23 मार्च को जन्तर मन्तर चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में अमर शहीद भगतसिंह,राजगुरू,सुखदेव के 83 वें बलिदान दिवस पर रविवार 23 मार्च 2014 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ व आंतकवाद विरोधी दिवस आयोजित किया जा रहा है । सभी आर्य युवक, आर्य जन भारी संख्या में पहुंचे ।

–डा.अनिल आर्य, संयोजक

(पृष्ठ 1 का शेष)

घई, जगदीश मलिक, अमरनाथ गोगिया को ''दयानन्द सदभावना अवार्ड'' से डा. विजय कुमार मल्होत्रा ने सम्मानित किया।

वैदिक विद्वान स्वामी दिव्यानन्द जी(हरिद्वार), आचार्य वेदप्रकाश श्रोत्रिय, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री, आचार्य सुधांशु (गुरूकुल खेड़ाखुर्द), आचार्य पवन शास्त्री (गुरूकुल शुक्रताल), आचार्य धूमसिंह शास्त्री, आर्य नेता श्री मायाप्रकाश त्यागी, श्रीमती राज सरदाना आदि ने सम्बोधित किया। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली) के मधुर भजन हुए। समारोह की अध्यक्षता श्री दर्शन अग्निहोत्री ने की।

आर्य नेता रविन्द्र मेहता, रवि चड्डा, रविदेव गुप्ता, ओम सपरा, डा.डी.के. गर्ग, यशोवीर आर्य, देवेन्द्र भगत, के.एल.राणा, प्रकाशवीर शास्त्री, सन्तोष शास्त्री, कै.अशोक गुलाटी, सौरभ गुप्ता, अमीरचन्द रखेजा, प्रदीप तायल, कृष्णचन्द पाहुजा, प्रेमप्रकाश शर्मा(देहरादून), मनोहरलाल चावला, वीरेन्द्र योगाचार्य, डा.सुनील रहेजा, रजनीश गोयनका, राकेश भटनागर, चतरसिंह नागर, ओमवीर सिंह, सुरेन्द्र कोहली, मनोज दुआ, सरोज भाटिया, रणसिंह राणा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभी के लिये ऋषि–लंगर व नाश्ते का सुन्दर प्रबन्ध किया गया था । पहले आने वाले 300 आर्य जनों को ''ओ३म्'' ध्वज निशुल्क भेंट किये गये।

आर्य नेता श्री रविदेव गुप्ता व श्री रवि चड्डा का अभिनन्दन

दयानन्द दशमी, हिन्दी भवन में दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री रविदेव गुप्ता का अभिनन्दन करते स्वामी दिव्यानन्द जी, श्री रमेश गाडी व डा. अनिल आर्य। द्वितीय चित्र में पश्चिमी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री रवि चड्डा का अभिनन्दन करते स्वामी दिव्यानंद जी व डा.अनिल आर्य।

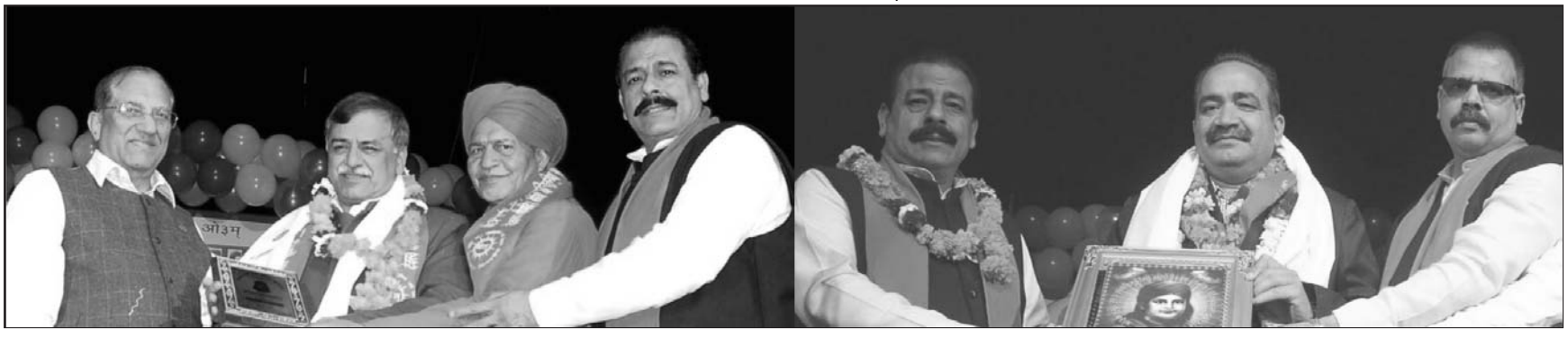

उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री ओम सपरा का अभिनन्दन करते डा.विजय कुमार मल्होत्रा, स्वामी दिव्यानन्द जी व डा. अनिल आर्य। द्वितीय चित्र में श्री ब्रह्मप्रकाश मान का स्वागत करते डा.अनिल आर्य व श्री रणसिंह राणा।

आर्य समाज, सुदर्शन पार्क व सरस्वती विहार में दयानन्द जयन्ती की धूम

रविवार, 23 फरवरी 2014, आर्य समाज, सुदर्शन पार्क, दिल्ली ने मुख्य चौक पर दयानन्द जयन्ती मनाई, मंच पर श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' भजन प्रस्तुत करते हुए, साथ में मंत्री श्री राकेश आर्य, डा.अनिल आर्य, श्री सन्तोष शास्त्री आदि, द्वितीय चित्र में वेद प्रचार मण्डल उतर पश्चिमी के तत्वावधान में आर्य समाज, सरस्वती विहार से सन्देश विहार तक आयोजित भव्य शोभायात्राा के अवसर पर पुष्पाजंलि एनक्लेव पर डा.अनिल आर्य का स्वागत करते प्रधान श्री वेदव्रत कश्यप, श्री कृष्णचन्द पाहुजा, शिखा अरोड़ा, निशा आनन्द, दिनेश व सन्तोष शास्त्री आदि।

रविवार, 23 फरवरी 2014,यज्ञप्रेमी श्रीमती सरोज अग्निहोत्री व श्री दर्शन अग्निहोत्री की 50 वीं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर अभिनन्दन करते स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी आर्य वेश जी व डा.अनिल आर्य। द्वितीय चित्र में दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के तत्वावधान में आर्य समाज, मोती बाग, दिल्ली में आयोजित दयानन्द बोधोत्सव पर पूर्व पार्षद श्रीमती अनिता गुप्ता का स्वागत करते डा. अनिल आर्य, आचार्य दयानन्द शास्त्री, डा.जे.पी.गुप्ता, श्री हरबंसलाल कोहली, श्री जितेन्द्र डावर, श्री प्रकाशवीर शास्त्री, श्री सन्तोष शास्त्री। प्रधान श्री महावीर सिंह आर्य, मंत्री श्री सुरेन्द्र गुप्ता व श्री चतरसिंह नागर को बधाई।

आर्य समाज, मुखर्जी नगर, दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित दयानन्द दशमी पर श्रीमती प्रतिभा-श्री ओम सपरा, डा.अनिल आर्य, श्री प्रमोद सपरा, श्री विजय सपरा, श्री हीराप्रसाद शस्त्री, श्री संजय सपरा, श्रीमती नीलम सपरा व श्रीमती अनिता सपरा आदि। द्वितीय चित्र में आर्य समाज, विकासपुरी, डी ब्लाक, दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित शोभायात्रा में नेतृत्व करते डा. अनिल आर्य, श्री राजेन्द्र लाम्बा, श्री ओमप्रकाश घई, श्री विक्रम नरूला, श्री हरीश कालरा आदि, कुशल संचालन मंत्री श्री बलदेव सचदेवा ने किया।

इन्दौर मध्य प्रदेश में दयानन्द जयन्ती धूमधाम से सम्पन्न

रविवार, 23 फरवरी 2014, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के तत्वावधान में आर्य समाज, संचार नगर, इन्दौर में 11 कुण्डीय यज्ञ का भव्य आयोजन किया। सादगी पूर्ण विवाह भी आयोजित किये गये। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य महेन्द्र भाई जी, दिल्ली ने यज्ञ सम्पन्न करवाया। श्री रामकुमार सिंह जी विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली से पहुंचे। प्रान्तीय अध्यक्ष आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार व महामन्त्री श्री शंकरदेव आर्य ने कुशलता से संचालन किया।

पलवल जवाहर नगर व दिल्ली उत्तम नगर में दयानन्द जयन्ती सम्पन्न

शनिवार, 22 फरवरी 2014, आर्य समाज, जवाहर नगर, पलवल के तत्वावधान में आयोजित दयानन्द जयन्ती पर भजन सुनाते कै. अशोक गुलाटी, साथ में मुख्य अतिथि डा.अनिल आर्य व स्वामी प्रणवानन्द जी। कुशल संचालन स्वामी श्रद्धानंद जी ने किया। दायें चित्र-दिनांक 27 फरवरी 2014 को आर्य समाज, उतम नगर, दिल्ली में दयानन्द जयन्ती पर में श्री विनोद बब्बर, पत्रकार को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डा.अनिल आर्य, साथ में प्रधान श्री अमरसिंह आर्य, श्री रवि चड्डा, श्री ओमप्रकाश घई। संचालन श्री श्यामप्रकाश आर्य ने किया। इस अवसर पर श्री महेन्द्र भाई, श्री रामकुमार सिंह, श्री ओमवीर सिंह, श्री राजकुमार भाटिया, श्री कृष्ण माधव, श्री विद्यासागर, पं.अरूण शास्त्री, अशोक सहरावत, श्री बलदेव सचदेवा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। पं.नारायण सिंह शास्त्री के मधुर भजन हुए।

डा.अनिल आर्य ऐस्कॉर्टस से सम्मानित व श्री मायाप्रकाश त्यागी ने किया ध्वजारोहण

परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य को ऐस्कॉर्टस लि., फरीदाबाद में अपने सेवा काल के 35 वर्ष पूरा करने पर सम्मानित करते कम्पनी के उपप्रधान श्री इम्तियाज अहमद, श्री के.एस.यादव (सी.जी.एम.), यूनियन महामंत्री श्री वी.एस.डागर, श्री देशपाण्डे, श्री आनन्दसिंह रावत, श्री गुरूदेव आदि। द्वितीय चित्र में आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली के तत्वावधान में रामलीला मैदान, अजमेरी गेट में आयोजित ''दयानन्द बोधोत्सव'' पर सम्बोधित करते सार्वदेशिक सभा (अग्निवेश ग्रुप) प्रबन्ध समिति के महामंत्री श्री मायाप्रकाश त्यागी, साथ में श्री धर्मपाल आर्य, श्री विनय आर्य,श्री शिवकुमार मदान व श्री राजीव आर्य आदि।

मॉरीशस में दयानन्द दशमी सम्पन्न

आर्य युवक संघ मॉरीशस के तत्वाधान में आयोजित दयानन्द जयन्ती पर आर्य युवा।

शोक समाचार

1. माता भाग्यवती आर्या,(माता श्री जयप्रकाश आर्य,पलवल) का गत दिनों निधन।
2. दानवीर श्री एस.के.चौधरी, जनकपुरी, दिल्ली का गत दिनो निधन।
3. श्रीमती नीलम पसरीचा, अलवर का गत दिनों निधन।
4. श्रीमती अशोक कुमारी (माता श्री कुलदीप लूथरा,जम्मु) का गत दिनो निधन।
5. श्री आर. गोगना, एडवोकेट (पिता श्री राजेश गोगना) का गत दिनों निधन।
6. श्री जयदेव आर्य, (पूर्व प्रधान, आर्य समाज, रेलवे रोड़, अम्बाला) का गत दिनों निधन।

युवा उद्घोष की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

श्री दीनानाथ बत्रा को बधाई:- 10 फरवरी 2014, श्री दीनानाथ बत्रा,राष्ट्रीय संयोजक शिक्षा बचाओ आन्दोलन समिति के पक्ष में साकेत कोर्ट ने निर्णय दिया कि पेगुइन बुक इण्डिया प्रा.लि.द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''हिन्दुत्व तथा वैक्लपिक इतिहास'' को प्रतिबन्धित कर दिया जाये क्योकि इसमें विकृत इतिहास, क्रान्तिकरियों का अपमान, हिन्दु देवी देवताओं का अपमान आदि आपतिजनक टिप्पणियां थी । तदर्थ बधाई।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970